कारतूस

पूर्व वर्षों के प्रश्नोत्तर
2016
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 1.

सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या उद्देश्य था?

Answer:

सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपए कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया।

Question 2.

सआदत अली कौन था? कर्नल उसे अवध के तख़्त पर क्यों बिठाना चाहता था?

Answer:

सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपए कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Question 3.

'कारतूस' पाठ के आधार पर वज़ीर अली की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

Answer:

(*i*) **जाँबाज़ योद्धा–** वज़ीर अली जाँबाज़ सिपाही था। वह मौत से भी नहीं डरता था। कर्नल के खेमे में जाकर उससे कारतूस लाना और चलते हुए, अपना नाम तक बता देना उसकी इसी जाँबाज़ी को दिखाता है।

(*ii*) **नीति निपुण–** वज़ीर अली नीति निपुण योद्धा था। अंग्रेज़ों को चकमा देने में कामयाब रहता है। वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत देता है। वह किसी तरह नेपाल पहुँचना चाहता है। वह अफ़गानी हमले तक अपनी ताकत बढ़ाना चाहता है।

(*iii*) **देशभक्त–** वज़ीर अली देशभक्त था। वह हिंदुस्तान से अंग्रेज़ों को भगाने के प्रयास में जुटा रहा। उसे अंग्रेज़ों की गुलामी स्वीकार नहीं थी।

(*iv*) **स्वाभिमानी–** वज़ीर अली अत्यंत स्वाभिमानी था। गवर्नर जनरल के कलकत्ता तलब करने पर वह उनकी शिकायत लेकर कंपनी के वकील के पास गया। कंपनी के वकील ने शिकायत की परवाह किए बगैर उसे ही भला-बुरा सुना दिया। वज़ीर अली ने तुरंत खंजर निकालकर वकील का कत्ल कर दिया। अपने विरुद्ध भला-बुरा न सुनना उसके इसी स्वाभिमानी स्वभाव को दर्शाता है।

2015
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 4.

'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

Answer:

सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए। लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सभी सपने टूट गए क्योंकि वज़ीर अली के जन्म लेते ही सआदत अली को लगा कि अब तो अवध को आसिफ़उद्दौला का उत्तराधिकारी मिल गया तथा सआदत अली का गद्दी पर से अधिकार समाप्त हो गया इसीलिए उसने वज़ीर अली के जन्म को अपनी मौत समझा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2014
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 5.

'कारतूस' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक नीतिकुशल योद्धा था।

Answer:

वज़ीर अली एक नीति कुशल योद्धा था। कंपनी के वकील का कत्ल कर वह आज़मगढ़ के रास्ते गोरखपुर के जंगलों में पहुँचकर न केवल अंग्रेज़ी फ़ौज को चकमा देने में कामयाब रहा, वरन उन्हें नाकों चने चबवाता रहा। उसने अंग्रेज़ों पर सीधा हमला करने की बजाए नेपाल पहुँचकर अपनी ताकत बढ़ाने की योजना बनाई। उसने अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे ज़मा को हिंदुस्तान पर आक्रमण करने का निमंत्रण दिया। उसकी इस नीति के चलते अंग्रेज़ इस दो-तरफ़ा हमले से घबरा जाएँगे और वह आसानी से अवध पर कब्ज़ा कर लेगा। ये सभी योजनाएँ उसे एक नीति कुशल योद्धा सिद्ध करती हैं।

Question 6.

'सआदत अली' अंग्रेज़ों का हिमायती क्यों था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer:

सआदत अली अंग्रेज़ों का हिमायती था क्योंकि वह अंग्रेज़ों की मदद लेकर अवध की नवाबी चाहता था। आसिफ़उद्दौला के यहाँ पुत्र रूप में वज़ीर अली के जन्म के पश्चात सआदत अली की नवाब बनने की सारी मंशा धूमिल हो गई थी। सआदत अली वज़ीर अली को अपनी नवाबी में सबसे बड़ी बाधा मानता था। दूसरी तरफ़ कंपनी सरकार भी अवध पर अपना दबदबा चाहती थी। परंतु वज़ीर अली कंपनी सरकार का कट्टर दुश्मन था, जबकि सआदत अली ऐश पसंद इंसान था। अंग्रेज़ सरकार ने वज़ीर अली के विरुद्ध सआदत अली का साथ दिया और वज़ीर अली को पद से हटा दिया। इसके बदले उन्हें अवध की आधी संपत्ति मिल गई और दस लाख रुपए नगद। इस प्रकार दोनों अपना-अपना उल्लू सीधा करने के लिए एक-दूसरे के हिमायती थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Question 7.

वज़ीर अली को एक जाँबाज़ सिपाही क्यों कहा गया है? उसके सैनिक जीवन के क्या लक्ष्य थे? 'कारतूस' पाठ के आधार पर विस्तार से लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

वज़ीर अली सचमुच ही एक जाँबाज़ सिपाही था। वह बहुत हिम्मती और साहसी था। उसे अपने लक्ष्य को पाने के लिए जान की बाज़ी लगानी आती थी। जब उससे अवध की नवाबी ले ली गई, तो उसने अंग्रेज़ों के विरुद्ध संघर्ष करना शुरू कर दिया। उसने गवर्नर जनरल के सामने पेश होने को अपना अपमान माना और पेश होने से साफ़ मना कर दिया। गुस्से में आकर उसने कंपनी के वकील की हत्या कर डाली। यह हत्या शेर की माँद में जाकर शेर को ललकारने जैसी थी। उसके बाद वह आज़मगढ़ के रास्ते गोरखपुर के जंगलों में छिपकर अंग्रेज़ी फ़ौज को नाकों चने चबवाता रहा। वह अंग्रेज़ी कैंप में घुसकर, उनकी आँखों में धूल झोंक कर न केवल कर्नल से कारतूस ले आया, बल्कि अपना परिचय देकर उन्हें हतप्रभ भी कर गया। ये घटनाएँ उसकी जाँबाज़ी का प्रमाण हैं।

एक सैनिक के रूप में उसके जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य था अवध को अंग्रेज़ी हुकूमत से पूरी तरह से स्वतंत्र कराना तथा अवध में अमन और चैन का साम्राज्य स्थापित करना। इसके लिए आवश्यक था कि वह किसी तरह से नेपाल पहुँच जाए, वहाँ जाकर अपनी ताकत बढ़ाए और अफ़गानिस्तान में बादशाह शाहे-ज़मा के हिंदुस्तान पर आक्रमण करने का इंतज़ार करे, ताकि दोतरफ़ा हमले से अंग्रेज़ घबरा जाएँ और वह आसानी से अवध पर कब्ज़ा कर ले।

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 8.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

किस्सा क्या हुआ था उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की। उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूट कर भरी है, उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(क) वज़ीर अली कौन था? उसे किसने बनारस पहुँचाया?

(ख) वज़ीर अली ने वकील की हत्या क्यों की?

(ग) पद से हटाए जाने के बदले में वज़ीर अली को क्या दिया गया?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(क) वज़ीर अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का पुत्र था। नवाब आसिफ़उद्दौला की मृत्यु के पश्चात वज़ीर अली अवध के तख़्त पर बैठा, किंतु वज़ीर अली के चाचा सआदत अली ने इसे अपनी मौत ख्याल किया। उसने अंग्रेज़ों के साथ मिलकर उसके लिए तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा मुकर्रर कर बनारस पहुँचा दिया। इसे वज़ीर अली ने अपना अपमान समझा। वह सआदत अली और अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु बन गया।

(ख) वज़ीर अली को अंग्रेज़ों ने रहने के लिए बनारस भिजवा दिया था और उसे तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा देना तय किया था। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने वज़ीर अली को कलकत्ता बुलवाया। वज़ीर अली वहाँ जाना नहीं चाहता था। कंपनी का वकील भी बनारस में रहता था। वज़ीर अली गवर्नर की शिकायत लेकर कंपनी के वकील के पास गया। शिकायत पर ध्यान न देकर वकील ने वज़ीर अली को भला-बुरा सुना दिया। इसे वज़ीर अली के स्वाभिमान को गहरा धक्का लगा। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूट कर भरी थी। इस घटना ने उसके क्रोध को और भड़का दिया परिणामस्वरूप उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(ग) पद से हटाए जाने के बदले वज़ीर अली को तीन लाख रुपया सालाना दिया गया।

2013
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Question 9.

'कारतूस' पाठ के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

Answer:

वज़ीर अली में वीरता, साहस व चातुर्य जैसे गुण कूट-कूटकर भरे थे। इस साहसी देशभक्त को चतुराई व साहस भरे ख़तरनाक खेल खेलने में बहुत आनंद आता था। अपने इन्हीं गुणों के कारण घागरा के जंगलों में उसने कर्नल कालिंज व उसके सैनिकों की नाक में दम कर दिया था। एक बार वह कर्नल के खेमे में सामान्य-सा घुड़सवार बनकर पहुँचा और वज़ीर अली की गिरफ़्तारी में मदद देने की बात कहते हुए, उससे दस कारतूस हासिल कर लिए तथा बाद में अपना सही परिचय दिया और कर्नल की जान बख़्शी की बात कहते हुए वहाँ से सकुशल चला भी गया। इस घटना से सिद्ध होता है कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

Question 10.

'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए कि जाँबाज़ के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:
'कारतूस' पाठ के आधार पर जाँबाज़ यानी वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसने अवध के तख़्त पर बैठकर छह महीने में ही दरबार को अंग्रेज़ी असर से मुक्त कर दिया था। उसने कंपनी पर आक्रमण करने के लिए अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को आमंत्रित किया था तथा वह घागरा के जंगलों से नेपाल पहुँचकर अपनी ताकत बढ़ाना चाहता था, ताकि वह आक्रमण करके सआदत अली से अवध का सिंहासन वापस ले और अंग्रेज़ों को देश से खदेड़ने में अन्य विद्रोही राजाओं को सहयोग कर सके।

2012
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 11.

कर्नल सआदत अली को अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

Answer:
सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपए कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया।

Question 12.

सवार कौन था? उसने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

Answer:
वस्तुतः सवार स्वयं वज़ीर अली था। उसने बड़ी बुद्धिमानी से बात करते हुए कर्नल को यह यकीन दिला दिया था कि वह वज़ीर अली का दुश्मन है और वह भी वज़ीर अली को मारना चाहता है। इस काम के लिए सवार के कर्नल से कारतूस लेने की इच्छा प्रकट की। सवार को वज़ीर अली का शत्रु मानकर कर्नल ने आसानी से सवार को कारतूस सौंप दिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 13.

'कारतूस' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

Answer:

वज़ीर अली में वीरता, साहस व चातुर्य जैसे गुण कूट-कूटकर भरे थे। इस साहसी देशभक्त को चतुराई व साहस भरे ख़तरनाक खेल खेलने में बहुत आनंद आता था। अपने इन्हीं गुणों के कारण घागरा के जंगलों में उसने कर्नल कालिंज व उसके सैनिकों की नाक में दम कर दिया था। एक बार वह कर्नल के खेमे में सामान्य-सा घुड़सवार बनकर पहुँचा और वज़ीर अली की गिरफ़्तारी में मदद देने की बात कहते हुए, उससे दस कारतूस हासिल कर लिए तथा बाद में अपना सही परिचय दिया और कर्नल की जान बख़्शी की बात कहते हुए वहाँ से सकुशल चला भी गया। इस घटना से सिद्ध होता है कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

Question 14.

सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मक़सद था?

Answer:

सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपए कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया।

2011
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 15.

कर्नल अवध के तख्त पर सआदत अली को क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपए कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

Question 16.

वज़ीर अली ने अंग्रेज़ों की गुलामी क्यों नहीं स्वीकार की? उसकी किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं पर 'कारतूस' पाठ के आधार पर प्रकाश डालिए।

Answer:

वज़ीर अली एक स्वाभिमानी, वीर और जाँबाज़ सिपाही था। उसने अंग्रेजों की गुलामी नहीं स्वीकार की क्योंकि उसमें देशभक्ति कूट-कूटकर भरी हुई थी। वह विदेशी शासन में गुलामी का जीवन जीने से अच्छा स्वाभिमान से मरना व जीना चाहता था। उसकी तीन चारित्रिक विशेषताएँ हैं कि पहली तो यह कि वह एक देशभक्त सिपाही था। देश पर किसी और की हुकूमत उसे बर्दाश्त नहीं थी। दूसरा यह कि वह एक जाँबाज़ सिपाही था। अपनी जान की परवाह न कर वह कर्नल के खेमे में घुस गया और वहाँ से 10 कारतूस भी माँग लाया। वज़ीर अली की तीसरी विशेषता यह है कि वह निडर और स्वाभिमानी था। जब उसे कोलकाता में तलब किया गया, तो वह कंपनी के वकील के पास गया। वकील की उपेक्षा भरी बातें सुनते ही उसने बेझिझक उसका कत्ल कर दिया। ऐसा कार्य कोई निडर और स्वाभिमानी व्यक्ति ही कर सकता है।

Question 17.

कर्नल, सआदत अली को अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपए कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया।

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 18.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

किस्सा क्या हुआ था, उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वजीफ़ा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत की कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की, उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भरी है। उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

(क) अंग्रेज़ों ने किसको पद से हटाया और क्यों?

(ख) वज़ीर अली ने वकील का काम तमाम क्यों कर दिया?

(ग) वज़ीर अली की दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

Answer:

(क) अंग्रेज़ों ने वज़ीर अली को पद से हटाया क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर विरोधी था।

(ख) जब वज़ीर अली को गवर्नर जनरल ने कलकत्ता तलब किया, तो वह कंपनी के वकील के पास इसकी शिकायत करने गया। वहाँ वकील उलटा उसी को बुरा-भला कहने लगा। इसी गुस्से में वज़ीर अली ने वकील का काम तमाम कर दिया।

(ग) वज़ीर अली सच्चा देशभक्त था। वह निडर, साहसी, स्वाभिमानी और जाँबाज़ सिपाही था। उसे साहस व चतुराई भरे ख़तरनाक खेल पसंद थे, इसी कारण वह खेमे में जाकर कर्नल से दस कारतूस ले आया था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2010
लघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 19.

सआदत अली को कर्नल अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' के आधार पर उत्तर दीजिए।

Answer:

सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए, लेकिन वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली अंग्रेज़ों के लिए उनके हाथों की कठपुतली की तरह था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपए कंपनी को दे दिए थे। अतः अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाया।

Question 20.

सवार के जाने के बाद कर्नल के आश्चर्यचकित होने के क्या कारण थे? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

Answer:

सवार के जाने के बाद कर्नल के आश्चर्यचकित हो जाना निश्चित ही था क्योंकि जिसकी तलाश में कर्नल दर-दर भटक रहा था, वह न केवल उसके समक्ष उपस्थित हुआ, बल्कि उससे वार्तालाप भी किया और कारतूस भी ले गया। ऐसे निर्भीक शत्रु से कर्नल भी प्रभावित हो गया था। वे और उनके सिपाही तो वज़ीर अली की जाँबाज़ी की चर्चा ही कर रहे थे कि वह अपनी वीरता का प्रत्यक्ष प्रणाम भी दे गया। जाते-जाते कर्नल को अपना परिचय भी दे जाना, उसके साहस की पराकाष्ठा है। कर्नल को आश्चर्य में डालने के लिए यह घटना पर्याप्त थी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 21.

'कारतूस' नाटिका में सवार कर्नल से एकांत में बात क्यों करना चाहता था?

Answer:

'कारतूस' नाटिका में सवार स्वयं वज़ीर अली था। वह कर्नल से एकांत में इसलिए बात करना चाहता था क्योंकि एक तो उसे कारतूस चाहिए थे और दूसरे वह कर्नल के मन में अपनी बहादुरी का ख़ौफ़ बैठाने आया था। एकांत पाते ही उसने कर्नल से पूछा कि वह वहाँ खेमा लगाकर क्यों बैठा है तथा उसे यह भी बताया कि वज़ीर अली को पकड़ना असंभव है। बाद में कारतूस माँगने पर कर्नल ने कारतूस दे दिए, तो वज़ीर अली ने उसे अपना परिचय दिया और कहा कि कारतूस देने के कारण वह उसकी जान बख़्श कर जा रहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in